

Rapid Fire (करेंट अफेयर्स): 21 सितंबर, 2022

अंतरराष्ट्रीय शांति दिवस

वशिव शांति दिवस अथवा 'अंतरराष्ट्रीय शांति दिवस' प्रत्येक वर्ष 21 सितंबर को मनाया जाता है। इस दिवस को मनाने का मुख्य उद्देश्य अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सभी देशों और नागरिकों के बीच शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिये प्रयास करना एवं अंतरराष्ट्रीय संघर्षों तथा विवादों पर वरिाम लगाना है। वशिव शांति दिवस, 2022 की थीम 'End racism, Build peace' है जिसका अर्थ है 'नसलवाद खत्म करें, शांति स्थापित करें'। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, वशिव शांति का अर्थ केवल हिसा न होना ही नहीं है, बल्कि ऐसे समाजों का निर्माण करना है जहाँ सभी को यह अहसास हो कवि आगे बढ़ सकते हैं। संयुक्त राष्ट्र ने वर्ष 1981 में वशिव शांति दिवस मनाने की घोषणा की थी। इसके बाद पहली बार वर्ष 1982 में वशिव शांति दिवस मनाया गया था। वर्ष 1982 से लेकर वर्ष 2001 तक सितंबर माह के तीसरे मंगलवार को वशिव शांति दिवस के रूप में मनाया गया, लेकिन वर्ष 2002 से इसके लिये 21 सितंबर की तारीख निर्धारित कर दी गई।

वशिव अल्ज़ाइमर दिवस

प्रत्येक वर्ष 21 सितंबर को "वशिव अल्ज़ाइमर दिवस (World Alzheimer's Day)" के रूप में मनाया जाता है। अल्ज़ाइमर बीमारी से लोगों को बचाने और इसके प्रती जागरूकता बढ़ाने के लिये वशिव अल्ज़ाइमर दिवस मनाया जाता है। वशिव अल्ज़ाइमर दिवस, 2022 की थीम है 'डमेंशिया को जानें, अल्ज़ाइमर को जानें' (Know Dementia, Know Alzheimer's)। अल्ज़ाइमर डिज़ीज़ इंटरनेशनल (Alzheimer's Disease International-ADI) की स्थापना वर्ष 1984 में हुई थी। वर्ष 1994 में अल्ज़ाइमर डिज़ीज़ इंटरनेशनल की दसवीं वर्षगाँठ पर वशिव अल्ज़ाइमर दिवस की घोषणा की गई थी, तभी से यह दिवस 21 सितंबर को मनाया जा रहा है। वशिव अल्ज़ाइमर माह (सितंबर) की शुरुआत वर्ष 2012 में हुई थी। अल्ज़ाइमर रोग एक न्यूरोलॉजिकल डिसऑर्डर (Neurological Disorder) है जो मस्तिष्क की तंत्रिका कोशिकाओं को नष्ट करता है। इसके कारण रोगी की शारीरिक और मानसिक स्थिति क्षीण हो जाती है उसे कुछ भी याद नहीं रहता है, उसकी निर्णय लेने की क्षमता घट जाती है, स्वभाव में लगातार परिवर्तन होता रहता है आदि। प्रारंभ में ये लक्षण कम मात्रा में दिखाई देते हैं लेकिन समय रहते इसका उपचार न कराया जाए तो यह गंभीर और असाध्य हो जाता है।

गुजराती फलिम छेल्लो शो

गुजराती फलिम छेल्लो शो को ऑस्कर, 2023 के लिये भारत की आधिकारिक प्रवर्षित घोषित किया गया है। फलिम फेडरेशन ऑफ इंडिया ने 95वें अकादमी पुरस्कारों के लिये इसकी घोषणा की। छेल्लो शो को सर्वश्रेष्ठ अंतरराष्ट्रीय फीचर फलिम श्रेणी में चुना गया है। यह फलिम 14 अक्टूबर को भारतीय सनिमाघरों में रिलीज़ होने वाली है। छेल्लो शो का शीर्षक अंग्रेज़ी में लास्ट फलिम शो है। इस फलिम का रॉबर्ट डे नीरो के ट्रबिका फलिम फेस्टिवल में उद्घाटन फलिम के रूप में वर्ल्ड प्रीमियर हुआ था और इसने विभिन्न अंतरराष्ट्रीय फलिम समारोहों में कई पुरस्कार जीते हैं। छेल्लो शो के निर्देशक नलिन पैन हैं। छेल्लो शो एक कशोर बालक की कहानी है। वह भारत के एक दूरदराज़ के गाँव में रहता है और सनिमा के साथ उसका गहरा संबंध जुड़ जाता है। यह फलिम दर्शाती है कि कैसे एक छोटा लड़का प्रोजेक्शन बूथ पर फलिमें देखने में पूरी गर्मियों का समय बतताता है। अमेरिका की अकेडेमी ऑफ मोशन पिक्चर आर्ट्स एंड साइंसेज़ द्वारा दिया जाने वाला वार्षिक अकेडेमी पुरस्कार को ऑस्कर पुरस्कार कहा जाता है। इसमें फलिम व्यवसाय से जुड़े सर्वश्रेष्ठ निर्देशकों, कलाकारों, लेखक और संगीतकारों को सम्मानित किया जाता है। इस पुरस्कार के पहले ऑस्कर समारोह का आयोजन 16 मई, 1929 को किया गया था। यह मीडिया के सबसे पुराने पुरस्कार समारोहों में से एक है।